एक नजर में

सक्षम संस्था ने मनाया 18वां स्थापना दिवस

गुना। दिव्यांग हितार्थ कार्य करने वाली राष्ट्रीय संस्था 'सक्षम' द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर महावीर पुरा में अपना 18वां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस वर्ष संस्था ने इसे 'दिव्यांग मित्र सम्मान समारोह' के रूप में आयोजित किया, जिसमें दिव्यांग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं और प्रतिभाशाली दिव्यांगों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के दिव्यांग आज विदेशों में भी भारत का नाम रोशन कर रहे हैं, जो सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने दिव्यांगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण का भरोसा दिया और प्रदेश में बनने जा रही नई 'दिव्यांग नीति' के लिए सुझाव भी मांगे।

मजदूरी के विवाद में युवक ने महिला की उंगली दांतों से चबाई

गुना। कैंट थाना क्षेत्र में मकान पुताई के पैसे के विवाद में एक युवक ने 55 वर्षीय महिला के हाथ की उंगली को अपने दांतों से बुरी तरह काट लिया। हमले में महिला की उंगली गंभीर रूप से जख्मी हो गई, जिसे ठीक करने के लिए डॉक्टरों को तीन टांके लगाने पड़े। घटना के बाद पीड़िता को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला अस्पताल में इलाज करा रहीं 55 वर्षीय गीता ओझा ने बताया कि उन्होंने अपने एक पड़ोसी युवक को 2 हजार रुपए में मकान की पुताई का ठेका दिया था। युवक ने काम शुरू तो किया, लेकिन वह अधूरा काम छोड़कर दूसरे ही दिन पूरे पैसे मांगने की जिद करने लगा। जब गीता ओझा ने उससे कहा कि वह पहले पुताई का काम पूरा करे और बाद में पूरे पैसे ले, तो वह युवक भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी।

9 साल से अतिक्रमण की चपेट में सांदपनी फतेहगढ़

प्राचार्य ने पत्र लिखा : कार्रवाई तो हुई नहीं, उल्टा प्राचार्य को डांट गईं एसडीएम

शिक्षा विभाग के सचिव, तत्कालीन कलेक्टर के आदेश पर भी नहीं हुआ सीमांकन

नवभारत न्यूज

गुना 13 जुलाई का। एक बेहद पुरानी कहावत है कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। जिले के बमोरी स्थित फतेहगढ़ के सांदीपनि विद्यालय में सामने आए प्रसंग में यही कहावत चरितार्थ हो रही है। स्कूल की जिस जमीन से 9 साल से अतिक्रमण नहीं हट पाया। उसके लिए एसडीएम ने प्राचार्य को जिम्मेदार ठहराते हुए सार्वजनिक रूप से उनका अपमान कर डाला।

दरअसल, पहली बार 25 सितंबर 2017 को विद्यालय प्रबंधन ने बमौरी तहसीलदार को पत्र लिखकर स्कूल की जमीन से अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। तब उक्त स्कूल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फतेहगढ़ के नाम से जाना जाता था। इसके बाद यह सीएम राइज एवं और सांदीपनि स्कूल में परिवर्तित हुआ। इसी क्रम में 4 साल पहले 2022 में स्कूल शिक्षा विभाग की तत्कालीन सचिव रश्मि अरुण शर्मा तत्कालीन कलेक्टर फ्रेंड नोबल को निर्देशित कर चुकीं थीं। इसके बावजूद स्कूल की जमीन से ना तो अतिक्रमण हट पाया था और ना ही उसका सीमांकन हो पाया था। हाल ही में इस मुद्दे को लेकर विद्यालय प्राचार्य भगवती प्रसाद धाकड़ ने सक्रियता दिखानी शुरू की।

प्राचार्य लगातार प्रशासन से इसको लेकर गुहार लगा रहे थे। प्राचार्य इसको लेकर शासन के निर्देशों का हवाला भी दे रहे थे। इसी के मददेनजर उन्हें एसडीएम के गुस्से का शिकार होना पड़ा है। इस दौरान एसडीएम शिवानी पांडे ने सार्वजनिक रूप से प्राचार्य को ना सिर्फ फटकार लगाई, बल्कि अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना को लेकर शिक्षक संगठनों ने एसडीएम पर प्राचार्य के अपमान का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग करनी शुरू कर दी है। कार्रवाई न होने की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी जा रही है। आमजन में भी एसडीएम के आचरण को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है । यहां यह उल्लेखनीय है की जमीन का सीमांकन कराकर अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी परोक्ष रूप से तय एसडीएम की ही बनती है।

यह है मामला

एसडीएम शिवानी पांडे बीते रोज विद्यालय के निरीक्षण के लिए पहुंची थी। इस दौरान भी प्राचार्य भगवत प्रसाद ने उनसे जमीन के सीमांकन करने का आग्रह किया। जिससे एसडीएम भड़क उठीं और प्राचार्य को डांटते हुए कहा कि स्कूल की सबसे बड़ी समस्या तुम खुद हो । यदि तुम्हारा ट्रांसफर यहां से करवा दिया जाए तो सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस दौरान एसडीएम ने मयार्दा की सीमा लांघते हुए कहा कि जिस तरह की तुम्हारी (प्राचार्य) की हरकतें हैं, उन्हें लगता है स्कूल (प्राचार्य) तुम्हारे पिताजी का है। उक्त घटना का वीडियो वायरल होने के बाद से ही मामला गरमाया हुआ है।

नवीन भवन निर्माण में आ रही थी बाधा

वर्ष 2022 में तत्कालीन प्राचार्य ने भी लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को पत्र लिखकर अतिक्रमण हटाने की बात कही थी। इसको लेकर उन्होंने विद्यालय के नवीन भवन निर्माण में आ रही बाधा का भी उल्लेख किया था। वर्तमान प्राचार्य भगवत प्रसाद ने भी उक्त समस्या को उठाकर जिला प्रशासन से पत्राचार शुरू किया। तब 10 जून 26 को लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी ने अतिक्रमण कारियों को नोटिस जारी करते हुए 7 दिन में अतिक्रमण हटाने का समय दिया। अन्यथा प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की बात कही गई। यह नोटिस भी रद्दी की टोकरी में चला गया, जबकि प्राचार्य लगातार इस मुद्दे पर सक्रिय बने रहे। जिसके एवज में उन्हें एसडीएम से सार्वजनिक रूप से अपमानित होना पड़ा।

बाढ़ के हालात झेल चुका है सांदपनी फतेहगढ़

फतेहगढ़ सांदपनी विद्यालय के आसपास अतिक्रमण हटाने को लेकर विद्यालय प्रबंधन भले ही गंभीर हो, लेकिन प्रशासन का रुख चौंकाने वाला है। बीते साल 2025 में हुई भयंकर बारिश के दौरान सांदपनी विद्यालय फतेहगढ़ पूरी तरह जलमग्न हो चुका था। तब भी प्रशासन से अतिक्रमण की गुहार लगाई थी। लेकिन अतिक्रमणकारियों ने न जाने कौन सी संजीवनी बूटी ग्रहण कर रखी है कि जेसीबी का रुख उनकी तरफ जाता ही नहीं। उल्टा, स्कूल को बचाने और निर्माण पूरा करने का प्रयास कर रहे विद्यालय स्टाफ ही निशाने पर आ गया है।

फतेहगढ़ स्कूल की जमीन का नहीं हुआ सीमांकन

स्कूलों की जमीन का सीमांकन ना होने से उन पर हो रहे अतिक्रमण का मामला काफी पुराना है। 9 साल पहले विद्यालय प्रबंधन ने बमोरी तहसीलदार को पत्र लिखकर स्कूल की 5 बीघा जमीन पर अतिकमान होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पत्र में जमीन से अतिक्रमण हटाने की मांग भी की गई थी। इसके बाद 4 साल पहले 2022 में स्कूल शिक्षा विभाग की तत्कालीन सचिव रश्मि अरुण शर्मा ने तत्कालीन कलेक्टर फ्रैंक नोबल को पत्र लिखकर जमीनों से अतिक्रमण हटाकर सीमांकन कराने के निर्देश दिए थे। इसके लिए एक सप्ताह का समय भी निर्धारित किया गया था। इसके बाद कलेक्टर ने जिले के सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में स्कूलों की जमीन से अतिक्रमण हटाकर सीमांकन कराने के निर्देश दिए थे। निर्देश के परिपालन में बाद में बरखेड़ा हाट, गुना, चाचौड़ा, बमोरी, राघौगढ़ के स्कूलों से तो अतिक्रमण हटाकर जमीन का सीमांकन कर लिया गया, किन्तु फतेहगढ़ को लेकर प्रशासन लापरवाह बना रहा।

मानसून थ्रोबॉल कप : एवरेस्ट अकेडमी में हुआ सफल आयोजन

नवभारत न्यूज

गुना। आर्मेचर मप्र थ्रोबॉल एसोसिएशन द्वारा 11 एवं 12 जुलाई को आयोजित मानसून थ्रोबॉल कप 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने भाग लेकर शानदार खेल भावना और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि वलबिंदर सिंह रंधावा (अध्यक्ष प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन) एवं सार्थक राठौर (होटल साईं सागर) उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला थ्रोबॉल स्मैशर्स और एवरेस्ट लॉइंस के बीच खेला गया, जिसमें थ्रोबॉल स्मैशर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। जिसमें व्यक्तिगत पुरस्कार विजेता:मैन ऑफ द मैच: अर्पित नामदेव, मैन ऑफ द टूर्नामेंट: अनुरुद्ध डांगी, बेस्ट सर्विसर: शान खान, बेस्ट अटैकर: यशराज धुरिया रहे। सफल आयोजन पर मध्य प्रदेश थ्रोबॉल एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र यादव, श्रीमती आर के रंधावा (डायरेक्टर गोल्डन टेम्पल स्कूल), सुरिंदर सिंह कपूर (काके सरदार) ने सभी टीमों, खिलाड़ियों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों के माध्यम से युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रशासनिक बंगलों के बाहर स्पीड ब्रेकर, कॉलेज के बाहर क्यों नहीं?

नवभारत न्यूज

गुना। छात्र संगठन एनएसयूआई ने सोमवार को नगरपालिका उपाध्यक्ष धरम सोनी को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की ज्वलंत समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इसमें मुख्य रूप से कॉलेज परिसर के बाहर हाईवे पर तत्काल स्पीड ब्रेकर बनाने और परिसर के आसपास नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई है।

एनएसयूआई पदाधिकारियों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि इस कॉलेज में करीब 17 हजार छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जिसके चलते मुख्य मार्ग पर दिनभर भारी आवागमन रहता है और तेज रफ्तार वाहनों से हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। संगठन ने याद दिलाया कि इसी इलाके में बीते साल करवा चौथ के पावन अवसर पर तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक दंपत्ति की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस बड़े हादसे के बाद भी प्रशासनिक अमले ने अब तक कोई सबक नहीं लिया है। ज्ञापन सौंपते समय छात्र नेताओं ने तीखा सवाल उठाया कि कॉलेज परिसर से कुछ ही दूरी पर स्थित कलेक्टर और एसपी बंगले के दोनों ओर तो सुरक्षा के लिहाज से स्पीड ब्रेकर बनाए गए हैं, लेकिन जहां 17 हजार छात्र-छात्राओं का भविष्य और जान दांव पर लगी है, उस मुख्य मार्ग को लेकर इतनी लापरवाही क्यों बरती जा रही है? इसके साथ ही एनएसयूआई ने कॉलेज के आसपास फैली गंदगी और साफ-सफाई की बदहाली का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया। संगठन के कार्यकताओं का कहना था कि वे इस संबंध में पहले कॉलेज प्रबंधन को भी ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई। कॉलेज प्रशासन की इसी बेरुखी से विवश होकर छात्रों को सीधे नगरपालिका का रुख करना पड़ा है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही स्पीड ब्रेकर और सफाई की व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो संगठन उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

सर्वांगीण विकास ही भाजपा का मुख्य लक्ष्य और ध्येय

गुना। भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यकारी मासिक बैठक गुना में जिला प्रभारी राजेंद्र सिंह राजपूत की मौजूदगी में रखी गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ-साथ आगामी कार्यक्रम और आयोजनों पर भी चर्चा हुई। बैठक में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और प्रभारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों का सर्वांगीण विकास करना ही भाजपा का मुख्य लक्ष्य और ध्येय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'विकसित भारत 2047' का संकल्प 140 करोड़ देशवासियों की सहभागिता से ही साकार होगा। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए बूथ और शक्ति केंद्रों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। जिला प्रभारी ने राष्ट्रीय व प्रांतीय कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए गुना जिला संगठन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में गुना का नाम टॉप पांच जिलों में आता है। इस दौरान उन्होंने पिछले माह के कार्यों की मंडल स्तर पर समीक्षा भी की।

कलेक्ट्रेट, नगर तहसील कार्यालय को मिला आईएसओ सर्टिफिकेट, कलेक्टर बोले- आम जनता को मिलेगा सीधा फायदा

नवभारत न्यूज

गुना। प्रशासनिक व्यवस्थाओं, स्वच्छता और सुशासन के क्षेत्र में गुना जिले के नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है। गुना कलेक्टर कार्यालय और नगर तहसील कार्यालय को सर्वश्रेष्ठ मानकों का पालन करने पर प्रतिष्ठित आईएसओ 9001:2015 अवॉर्ड से नवाजा गया है। इन दोनों महत्वपूर्ण कार्यालयों को आईएसओ सर्टिफाइड बनाने के लिए पूर्व में आवेदन दिया गया था, जिसके बाद सभी कड़े नियमों और प्रक्रियाओं का बारीकी से पालन करते हुए यह गौरव हासिल किया गया है।

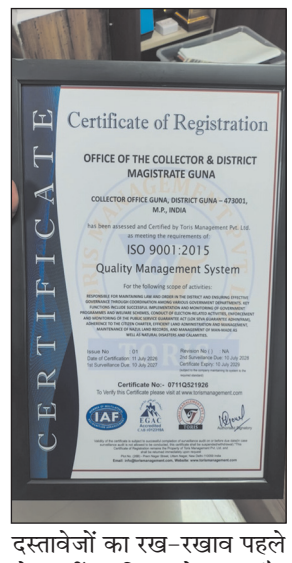

इस बड़ी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने बताया कि इस आईएसओ सर्टिफिकेशन का सीधा फायदा जिले की आम जनता को मिलेगा। कार्यालयों में अब दस्तावेजों का रख-रखाव पहले से कहीं अधिक बेहतर और आधुनिक हो गया है। इसके साथ ही स्वच्छता के स्तर में भी बड़ा सुधार आया है। कलेक्टर ने कहा कि अब आम नागरिकों को अपने जरूरी शासकीय दस्तावेजों और फाइलों को तलाशने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और न ही कोई मशक्कत करनी पड़ेगी। व्यवस्थाएं डिजिटल और सुव्यवस्थित होने से कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए अपनी पूरी प्रशासनिक टीम और जिलेवासियों को बधाई दी है। उन्होंने एक प्रेरक बात कहते हुए कहा, अधिकारी तो आते-जाते रहते हैं, लेकिन शासकीय कार्यालयों का स्तर और वहां की व्यवस्थाएं हमेशा बेहतर होनी चाहिए।

कलेक्टर ने भविष्य की योजनाओं को साझा करते हुए बताया कि कलेक्ट्रेट और तहसील के बाद अब जिले के अन्य प्रमुख कार्यालयों जैसे— पुलिस अधीक्षक ऑफिस, जिला पंचायत और बिजली कंपनी के कार्यालयों को भी आईएसओ सर्टिफाइड बनाने के लिए प्रयास शुरू किए जाएंगे, ताकि पूरे जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को हाईटेक और जन-हितैषी बनाया जा सके।

गुना में आज से ठप हो सकती हैं 108 एंबुलेंस सेवाएं, सौंपा ज्ञापन

गुना। जिले में मंगलवार से स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बेपटरी हो सकती हैं। दरअसल, 108 एंबुलेंस के चालकों और ईएमटी स्टाफ ने अपने दो वरिष्ठ अधिकारियों पर अभद्रता और मनमानी का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की है और मंगलवार से काम बंद करने की चेतावनी दे डाली है।

गुना सीएमएचओ को सौंपे गए मांग पत्र में एंबुलेंस चालकों और स्टाफ ने दोनों जिम्मेदार अधिकारियों पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि डीएम और डीसी द्वारा आए दिन 108 स्टाफ, ईएमटी और पायलेट से पैसों की मांग की जाती है और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। इतना ही नहीं, स्टाफ का कहना है कि दोनों अधिकारी रोजाना शराब के नशे में धुत होकर कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हैं, जिससे काम का माहौल पूरी तरह खराब हो चुका है। कर्मचारियों ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि जिले की अधिकांश 108 एंबुलेंस गाड़ियां वर्तमान में खराब पड़ी हैं, जिसके रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गाड़ियां खराब होने के कारण स्टाफ को ड्यूटी नहीं मिल पा रही है।

इस स्थिति का फायदा उठाकर दोनों अधिकारियों द्वारा जानबूझकर अधिकांश स्टाफ को 'होल्ड' पर रख दिया जाता है और कई बार बिना किसी कारण के उनकी गैर-हाजिरी लगा दी जाती है, जिससे उनके वेतन पर सीधा असर पड़ रहा है।

मारवाड़ी महिला समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण संपन्न

गुना। मारवाड़ी महिला समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह एक निजी होटल में रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि इंदु सोमानी, प्रांतीय अध्यक्ष संतोष सोडाणी, प्रांतीय सचिव संगीता और प्रांतीय कोषाध्यक्ष राजकुमारी के सानिध्य में दीप प्रज्वलन व आदिवासी बच्चियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ। समारोह में नवगठित कार्यकारिणी की अध्यक्ष निष्ठा गर्ग, सचिव शशि खंडेलवाल और कोषाध्यक्ष शशि राठी सहित सभी पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस अवसर पर उपमा राठी और प्रमिला के कुशल संचालन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अनीता मित्तल और रश्मि ने थैलेसीमिया जागरूकता पर आधारित एक भावुक लघु नाटिका प्रस्तुत की। वहीं शशि खंडेलवाल, मालती मित्तल, दीपिका अग्रवाल और अंतिम बंसल ने आकर्षक नृत्य पेश किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया और गोबर से बनी कलाकृतियों का स्टॉल भी लगाया गया।

पर्दाफाश ▶ जीआरपी की एसआईटी ने दबोचा, 15 लाख के जेवरात बरामद

चलती ट्रेन से लाखों के जेवरात लेकर फरार होने वाले 7 बदमाश गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

गुना। बीना-ग्वालियर पैसेंजर ट्रेन में मुंगावली क्षेत्र के एक परिवार से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात उड़ाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का गुना जीआरपी ने पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के एटा और हाथरस निवासी 7 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने चोरी किए गए आधे से ज्यादा आभूषण म्याना रेलवे स्टेशन के आउटर पर जमीन में गाड़ दिए थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया है। बांकी माल बरामदगी के लिए पुलिस टीमें जुटी हुई हैं।

वारदात 13 जून की है, जब मुंगावली के ग्राम नरखेड़ा निवासी आविद खान अपनी बेटी की शादी के सिलसिले में परिवार सहित म्याना जाने के लिए ग्वालियर-बीना पैसेंजर ट्रेन के जनरल कोच में सवार हुए थे। बदमाशों ने पहले से ही पीड़ित परिवार की रेकी कर रखी थी। मुंगावली स्टेशन से गिरोह के सदस्य भी उसी कोच में चढ़ गए। सफर के दौरान बदमाशों ने आविद खान को झांसे में लिया कि यात्रियों को बैठने में परेशानी हो रही है, इसलिए आपका बैग ऊपर रख देते हैं। जैसे ही बैग ऊपर की बर्थ पर रखा गया, बदमाशों ने मौका पाकर ट्रॉली बैग की चेन काट दी और उसमें रखे लगभग 290 ग्राम सोने व सवा किलो चांदी के भारी-भरकम जेवरात पार कर दिए। इसके बाद आरोपी शाढ़ौरा रेलवे स्टेशन पर उतरकर रफूचक्कर हो गए। पीड़ित ने 14 जून को मामले की एफआईआर दर्ज कराई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए रेल आईजी राजबाबू सिंह, एसपी रेल इंदौर अरविंद तिवारी, एएसपी रेल इंदौर हेमंत चौहान और उप पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर ज्योति के मार्गदर्शन में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। सायबर सेल इंदौर की टीम को भी काम पर लगाया गया। जांच के दौरान एसआईटी में शामिल निरीक्षक सुनील गुप्ता और जीआरपी थाना प्रभारी श्रीपाल सिंह की टीम ने गुना, अशोकनगर, शाढ़ौरा, बीना, शिवपुरी और ग्वालियर सहित कई रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके साथ ही गुना के होटल और लॉज भी चेक किए गए। शुरूआत में संदेहियों के शिवपुरी बस स्टैंड के पास दो अलग-अलग होटलों में रुकने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद सायबर सेल ने लगातार उनकी लोकेशन ट्रैक की।

पहले संदेही से मिला था लिंक

पुलिस ने सबसे पहले राजकुमार सिंह यादव नामक संदेही को हिरासत में लिया, जिसकी निशानदेही पुलिस के बेहद काम आई। गिरोह के शातिर बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद म्याना रेलवे स्टेशन के आउटर पर जेवरात जमीन में गाड़कर भाग गए थे। एसआईटी ने पूरी घेराबंदी कर बदमाशों को उस समय रंगे हाथों दबोचा, जब वे एक महीने बाद म्याना स्टेशन के बाहर गाड़े गए आभूषणों को जमीन से उखाड़ने के लिए वापस आए थे।

शातिर हैं बदमाश

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि पकड़े गए सातों आरोपी बेहद शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिनके खिलाफ अलीगढ़, मथुरा सहित यूपी के कई जिलों में संगीन मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने एक महीने पहले भी इसी तरह की एक अन्य वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है।

बरामद किए गए 15 लाख के जेवरात के अलावा, बाकी का सामान बदमाशों ने अलीगढ़ के एक ज्वेलर को बेच दिया था, जो फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी और बाकी सामान की बरामदगी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

सांसद-विधायकों की पेंशन बंद करने की मांग, अनूठा पोस्टर पहनकर कलेक्ट्रेट पहुंचा वृद्ध

गुना। जनप्रतिनिधियों को मिलने वाले वेतन और पेंशन के विरोध में अशोकनगर जिले के एक वृद्ध ने बेहद अनोखा और ध्यान खींचने वाला प्रदर्शन किया है। ग्राम फुटेरा जिला अशोकनगर के निवासी पंडित हरिओम कलेक्ट्रेट परिसर में एक ऐसा पोस्टर पहनकर पहुंचे, जिस पर सांसद और विधायकों की पेंशन बंद करने की मांग लिखी हुई थी। उन्होंने गुना कलेक्ट्रेट पहुंचकर आम जनता को इस मुद्दे के प्रति जागरूक किया और केंद्र सरकार के नाम एक आवेदन भी सौंपा। प्रदर्शन कर रहे पंडित हरिओम का कहना है कि सांसद और विधायक जनता के सेवक जनसेवक होते हैं। नैतिक आधार पर उन्हें जनता की गाढ़ी कमाई से भारी-भरकम वेतन और आजीवन पेंशन लेने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने राजनेताओं को जनता का पैसा मुफ्त में देने का कड़ा विरोध किया। हरिओम के मुताबिक, देश के खजाने के इस पैसे की असली जरूरत उन बेरोजगार युवाओं को है, जो रोजगार के लिए भटक रहे हैं।